Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

25

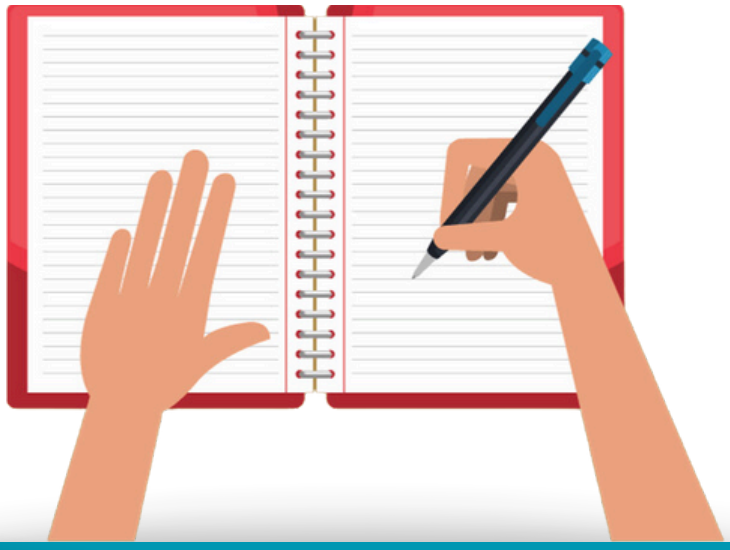

राष्ट्रीय बालिका दिवस एवं समाज में बालिकाओं की स्थिति

- राष्ट्रीय बालिका दिवस भारत में हर वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- इस दिन का मुख्य उद्देश्य समाज में बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना उनके साथ होने वाली असमानताओं को उजागर करना और शिक्षा स्वास्थ्य एवं पोषण के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करना है।
- बालिका शिक्षा के क्षेत्र में समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता, बाल विवाह दहेज प्रथा और बालिकाओं के प्रति हिंसा जैसी समस्याएँ उनके विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं।
- इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, बाल विवाह निषेध अधिनियम जैसे कई कार्यक्रम लागू किये हैं।

बालिकाओं से संबंधित मुद्दे

- कन्या बाल हत्या और भ्रूण हत्या
- बाल विवाह
- शिक्षा
- स्वास्थ्य और मृत्यु दर
- आगे की राह
- सरकार द्वारा उठाए गए कदम

पहला अंतरराष्ट्रीय बाजरा महोत्सव - 2025

- बेंगलुरु, कर्नाटक में पहला अंतरराष्ट्रीय बाजरा महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें कृषि-पारिस्थितिकी के माध्यम से कृषि खाद्य प्रणालियों का रूपांतरण एक वैश्विक दृष्टिकोण विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शामिल था।
- कर्नाटक राज्य बाजरा का प्रमुख उत्पादक है।
- गौरतलब है कि कर्नाटक ने 2017 में पहले अंतरराष्ट्रीय बाजरा महोत्सव की मेजबानी की थी।
- कृषि पारिस्थितिकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्रों को संरक्षित करने में मदद करती है।

Result Mitra

15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस एवं लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका

* - भारत में हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 में 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। जिसकी थीम है - वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम

* लोकतंत्र में मतदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता ही सरकार के गठन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

* मतदान करना न केवल एक अधिकार है। बल्कि यह एक कर्तव्य है।

भारत में मतदाताओं के बारे में झांकी

(1) समावेशी भागीदारी

लैंगिग समानता

युवा भागीदारी

PwD मतदाताओं को सशक्त बनाना

17+ युवाओं के लिए अग्रिम आवेदन

कमरे जोय

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों पर ध्यान

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25|Jan|P3

जॉर्जिया मलेरिया मुक्त घोषित

* विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 23 जनवरी 2025 को जॉर्जिया को मलेरिया मुक्त देश के रूप में प्रमाणित किया है।

* जॉर्जिया उन 45 देशों और एक क्षेत्र की सूची में शामिल हो गया है जिन्होंने मलेरिया मुक्त का दर्जा प्राप्त किया है।

* मलेरिया के खिलाफ जॉर्जिया की लड़ाई 20वीं सदी की शुरुआत में शुरू हुई थी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

* स्थापना 7 अप्रैल 1948
* मुख्यालय - जिनेवा स्विट्ज़रलैंड
* संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है

25/Jan/P4

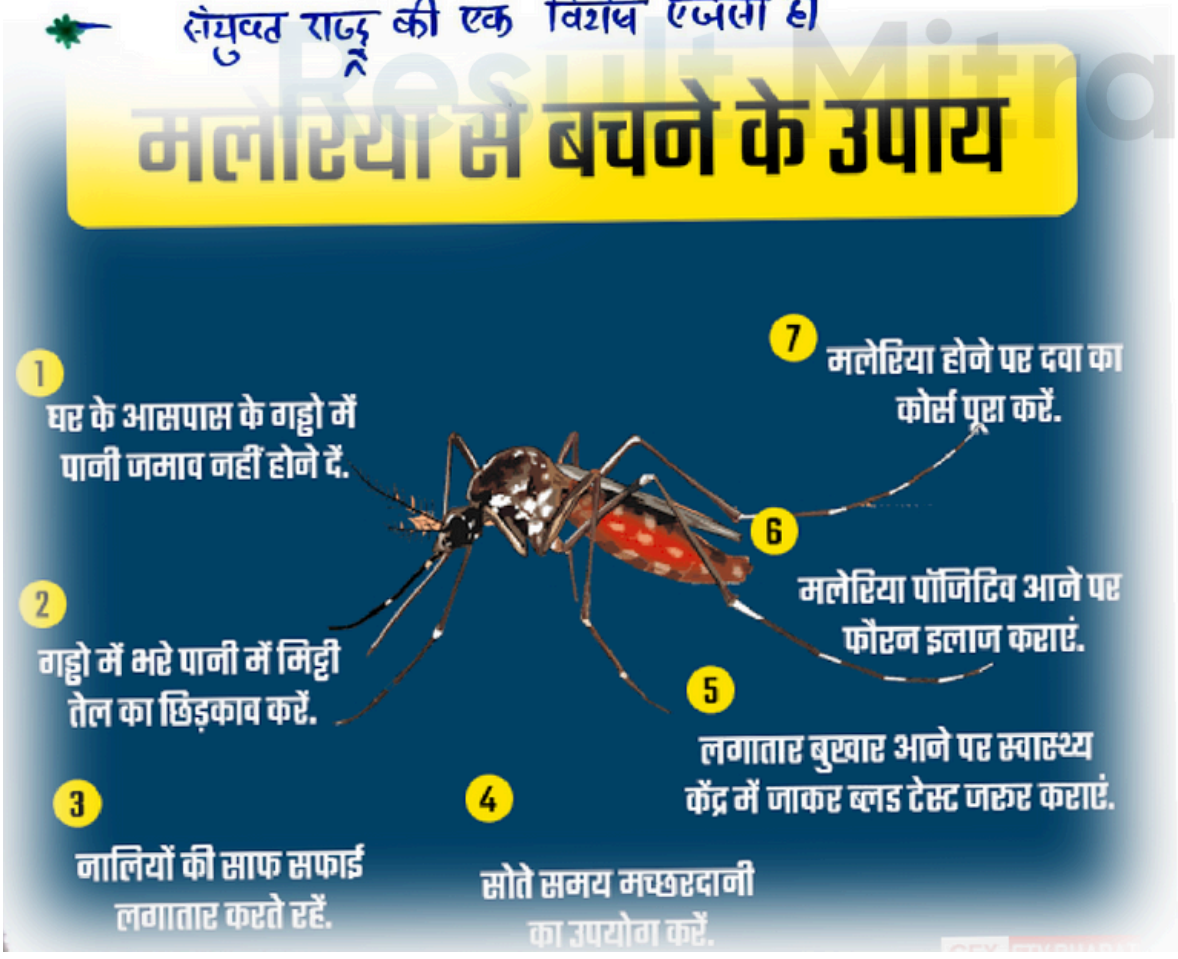

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2025

पुरस्कार के नियम और पात्रता:

1. श्रेणियां:
    - व्यक्तिगत श्रेणी: किसी व्यक्ति को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए।
    - संगठन श्रेणी: संगठनों या संस्थानों को उनके प्रभावी और संगठित कार्य के लिए।
2. चयन प्रक्रिया:
    - पुरस्कार के लिए नामांकन भारत सरकार की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से होते हैं।
    - चयन की प्रक्रिया में उच्च-स्तरीय समिति संबंधित व्यक्तियों और संस्थानों के कार्यों का गहन अध्ययन और मूल्यांकन करती है।

Result Mitra

पुरस्कार का उद्देश्य:

1. आपदा प्रबंधन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (Disaster Risk Reduction) में जागरूकता बढ़ाना।
2. आपदा के समय प्रभावी प्रतिक्रिया और राहत प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना।
3. समाज को आपदा से बचाव और तैयारियों में योगदान करने के लिए प्रेरित करना।

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जयंती और उनका योगदान

* 24 जनवरी 2025 को भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जी की 101 वीं जयंती के अवसर में देशभर में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

* वे जननायक के नाम से मशहूर थे।

* जन्म - 24 जनवरी 1924

* बिहार (समस्तीपुर)

* राजनीतिक सफर – मुख्यमंत्री दो बार
  - 1967-1969
  - 1977-1979

* उन्होंने बिहार में उर्दू को दूसरी राजकीय भाषा का दर्जा देने का काम किया।

* 2024 - मरणोपरांत भारत रत्न

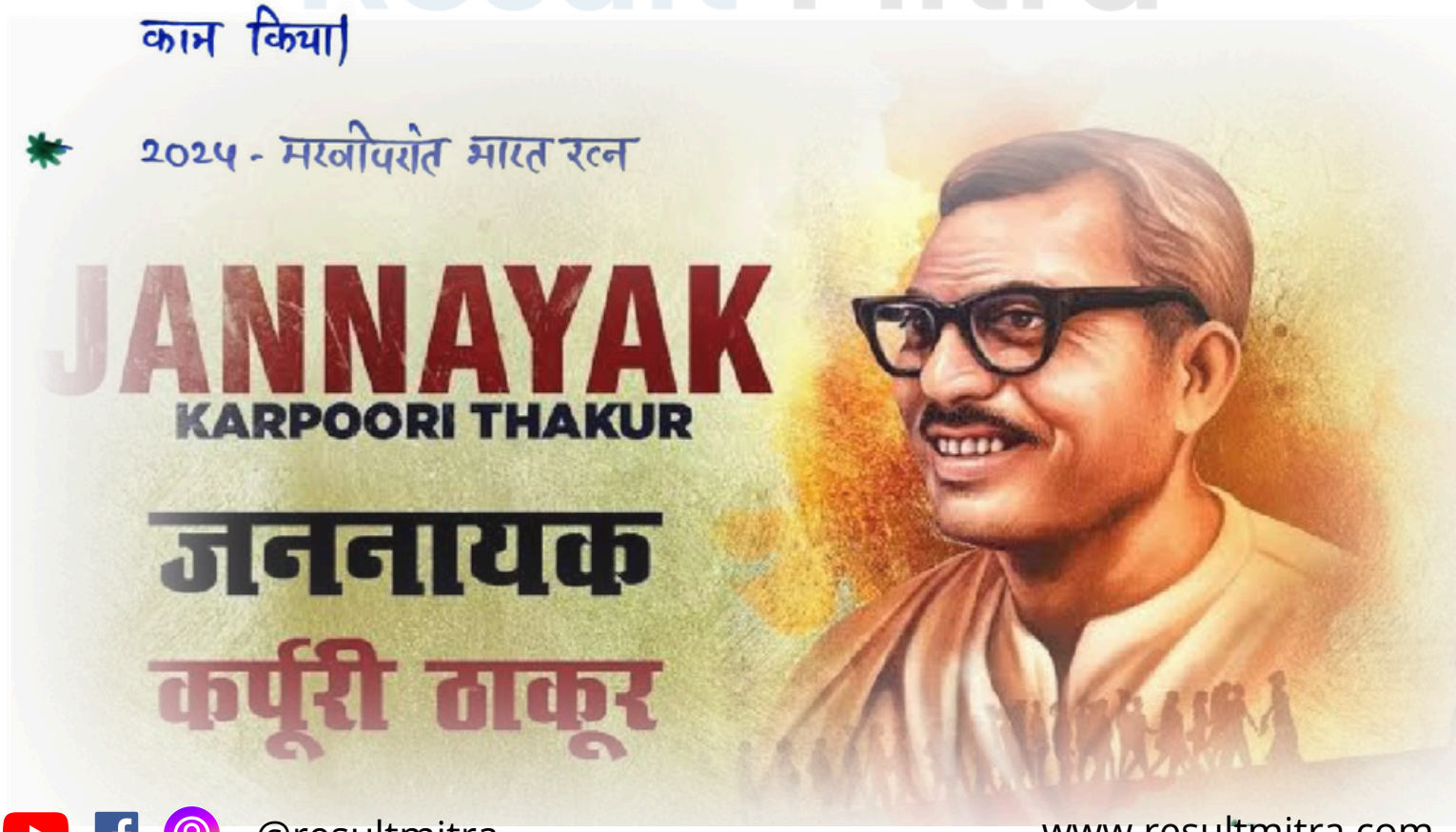

@resultmitra
www.resultmitra.com

स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह

पारिवारिक पृष्ठभूमि:

- ठाकुर रोशन सिंह एक साधारण किसान परिवार से थे।
- उन्हें बचपन से ही स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रवादी विचारधारा में रुचि थी।

देशभक्ति की शुरुआत:

- युवा अवस्था में वह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष से प्रेरित हुए।
- शुरुआत में वह गांधीजी के असहयोग आंदोलन (1920) से जुड़े, लेकिन चौरी-चौरा कांड के बाद आंदोलन वापस लेने से निराश होकर उन्होंने क्रांतिकारी मार्ग अपनाया।

महत्वपूर्ण तथ्य:

1. साधारण जीवन:
    - वह किसान परिवार से होने के बावजूद एक महान क्रांतिकारी बने।
    - उन्होंने ब्रिटिश शासन के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने में संकोच नहीं किया।
2. बलिदान की मिसाल:
    - रोशन सिंह का जीवन इस बात का प्रतीक है कि आजादी के संघर्ष में किसी भी स्तर के व्यक्ति ने योगदान दिया।
    - वह अपने साथियों के साथ अपनी मातृभूमि के लिए फांसी पर चढ़ गए।
3. स्मृति और सम्मान:
    - उन्हें आज भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में गिना जाता है।
    - उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर उनकी प्रतिमाएं और स्मारक बनाए गए हैं।

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA):

- रोशन सिंह रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के साथ हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य थे।
- उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष का समर्थन किया।